राम ने जब खर को मारा तोअंकपन किसी तरह से बचकर भागाऔर रावण के पास जा पहुंचा । उसने जब रावण को पूरी बात बताई तो रावण क्रोध से भर गया । उसने पूछा कि वह कौन है जिसने उसके भाई को मार डाला और बहन शूर्पणखा के नाक काट दिए । भयभीत अंक पन्ने उसे राम और उनकी शक्ति के बारे में बताया।रावण राम को तुरंत मार डालना चाहता था, अंकपन ने उसे समझाया । उसने कहा कि राम बहुत शक्तिशाली है इसीलिए उसे सोच समझकर किसी योजना के तहत मारना चाहिए । उस ने रावण को राम की सुंदर पत्नी सीता के बारे में बताया । उसने यह भी कहा कि राम और सीता एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं और अगर सीता को कोई नुकसान पहुंचाया जाए तो उसे बचाने राम अवश्य आएगा । रावण को अंकपन की योजना बहुत पसंद आई । उसने सीता का अपहरण करने का निश्चय किया । घायल शूर्पणखा अपने भाइयों खर और दूषण के पास पहुंची उसने दोनों को पूरी घटना बताई और उनसे बदला लेने को कहा । खर और दूषण असुर राजा थे। शूर्पणखा की दशा देखकर उन्हें बहुत गुस्सा आया । राम को भी संकट की आशंका हुई तो उन्होंने लक्ष्मण से सीता को किसी सुरक्षित जगह ले जाने को कहा । राम स्वयं धनुष और बाण लेकर तैयार हो गए । खर और दूषण हाथियों रथ और सैनिकों की बड़ी भारी सेना लेकर आ पहुंचे । युद्ध शुरू हो गया । शत्रु सेना ने चारों ओर से आक्रमण कर दिया। राम ने अपने बड़ों से उनका सामना किया और सारी सेना का नाश कर दिया । सबसे अंत में एक तीर से उन्होंने खर, दूषण और उनके मित्र तृसर को मार डाला । इस बीच एक और असुर था अंकपन, जो किसी तरह से बच गया । वेरावल को सूचना देने लंका की ओर चल दिया । रावन को कई तरह की सिद्धियां मिली हुई थी । वह उड़ सकता था और चाहे तो अदृश्य भी हो सकता था । इस कारण वहां घमंडी भी हो गया था । वह अपनी शक्तियों का दुरुपयोग भी करने लगा था ।